नईदुनिया

एक्सिस बैंक आगे, पीएनबी का मुनाफा 186 फीसदी बढ़ने का अनुमान, कौन से बैंक दिखाएंगे दम

15 जून तक बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों में सालाना आधार पर 17.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली

अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय वाणिज्यिक बैंकों के मुनाफे में सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण मजबूत ऋण वृद्धि और अनुकूल ट्रेजरी लाभ हैं। इस अवधि में संपत्ति की गुणवत्ता स्थिर रहने की संभावना है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष का कोई तात्कालिक प्रभाव बैंकों पर नहीं देखा जा रहा है। कुल मिलाकर, उद्योग सकारात्मक रुझान दर्शा रहा है, हालांकि कुछ बैंकों को शुद्ध ब्याज मार्जिन के मोर्चे पर मिश्रित परिणाम मिल सकते हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, 15 जून तक बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों में सालाना आधार पर 17.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि जमा वृद्धि 12 फीसदी रही। यह मजबूत ऋण उठाव बैंकों के लिए ब्याज आय का प्रमुख स्रोत रहा है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि जिन बैंकों ने उच्च यील्ड वाले उत्पाद मिश्रण को अपनाया है, उनके शुद्ध ब्याज मार्जिन में सुधार की संभावना है, हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मार्जिन में स्थिरता बनी रहने का अनुमान है।

अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बैंकिंग क्षेत्र का कुल शुद्ध लाभ 9.4 फीसदी बढ़कर 90,591 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, हालांकि यह पिछली तिमाही से क्रमिक रूप से 3.8 फीसदी कम होगा। निजी क्षेत्र के बैंक इस वृद्धि में अग्रणी रहेंगे, जिनका कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.4 फीसदी बढ़कर 49,457 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। बड़े निजी ऋणदाताओं में, एक्सिस बैंक की कमाई में सबसे अधिक उछाल देखने को मिल सकता है, जिसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 22.9 फीसदी बढ़कर 7,134 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके विपरीत, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कमाई की वृद्धि धीमी रहने की उम्मीद है, जिसका कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 7 फीसदी बढ़कर 41,135 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक असाधारण प्रदर्शन कर सकता है, जिसका लाभ सालाना आधार पर 186 फीसदी बढ़कर 4,784 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

न्यूज ब्रीफ

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट, धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई। बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है। असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत: रोशनी में 100 दिखेगा: नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर 100 का अंक दिखाई देता है। देवनागरी में मूल्य: असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी 100 अंकित होता है। अशोक स्तंभ: नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है। गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक: आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है। नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर: नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फान्ट में छपा होता है। ऊपर बाईं ओर भी नंबर: ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है। महात्मा गांधी का चित्र: नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है। इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और साफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लागिन करने और कुछ आनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

माइक्रोसाफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर, लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबाक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबाक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबाक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी. फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएस: सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी, सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए आफर फार सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस ह्वस्र के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे, जबकि खुदरा यानी आम निवेशकों के लिए 8 जुलाई का दिन निर्धारित किया गया है।

सेबी एक अगस्त से खुले बाजार के जरिये शेयर पुनर्खरीद व्यवस्था लागू करेगी

नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) की व्यवस्था को फिर से लागू करने के नियम अधिसूचित किए हैं। कंपनियां 1 अगस्त से ओपन मार्केट में अपने शेयर वापस खरीद सकेंगी। इस प्रक्रिया की समय-सीमा 66 कार्य-दिवस तय की गई है। नए नियमों के तहत कंपनियां पुनर्खरीद के लिए अलग से पुनर्खरीद खिड़की के बिना नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से पुनर्खरीद कर सकेंगी।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा कि शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में पुनर्खरीद कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। इसकी गणना कंपनी के एकल और समेकित दोनों वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी। इस संबंध में सेबी के निदेशक मंडल ने जून में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके अलावा शेयर बाजार के जरिए खुले बाजार में पुनर्खरीद की प्रक्रिया पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर पूरी करनी होगी। इससे पहले यह अवधि अधिकतम छह महीने तक हो सकती थी।

सेबी ने कहा कि पुनर्खरीद की पेशकश सार्वजनिक घोषणा की तारीख से चार कार्य दिवस के भीतर खुलेगी और पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर बंद होगी। सेबी ने दो पुनर्खरीद पेशकशों के बीच न्यूनतम अंतराल को पुनर्खरीद विनियमों के तहत अलग समय-सीमा बनाए रखने के बजाय कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप कर दिया है।

सेबी ने 2025 में खुले बाजार के जरिए पुनर्खरीद की व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया था। नियामक ने उस समय शेयरधारकों के साथ असमान व्यवहार और कर संबंधी विकृतियों पर चिंता जताई थी, क्योंकि यह व्यवस्था चुनिंदा निवेशकों के पक्ष में मानी जाती थी।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ का प्री-आईपीओ निवेश

नई दिल्ली। निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की करमतारा इंजीनियरिंग में उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को इस निवेश की जानकारी दी। यह निवेश करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए मार्ग प्रशस्त करने और उसकी विकास योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात प्रोफाइल और फास्टनर सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने बताया कि छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए गए हैं, जिससे 75 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आईपीओ-पूर्व निवेश के बाद, सेबी के नियमों के अनुरूप प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने का आकार समान राशि से घटा दिया जाएगा।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में सोने के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यहां सोना के भाव 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गए हैं। चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को इंडिपेंडेंस डे की छुट्टी के बाद पिछले सत्र के दौरान उत्साह के माहौल में कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 155.84 अंक यानी 0.29 प्रतिशत उछल कर 53,055.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,537.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 288.49 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,121.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,114.30 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र में मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,651.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,479.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.15 प्रतिशत उछल कर 25,817.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,291.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,951.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 24,485 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 150.32 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,466 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स पर जबरदस्त दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 577.30 अंक यानी 7.17 प्रतिशत फिसल कर 7,474.03 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1,250.69 अंक यानी 1.79 प्रतिशत अंक लुढ़क कर 68,487 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.15 प्रतिशत टूट कर 1,598.33 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,999.03 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 441.86 अंक यानी 0.95 प्रतिशत फिसल कर 46,114.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।